ASTRO ARPITA NATH

तृतीयेश का 12 भावों में सामान्य फल

Arpita Nath द्वारा · फलति ज्योतिष सूत्र · 2026-09-08

वैदिक ज्योतिष में, तीसरा भाव (तृतीय भाव) पराक्रम, साहस, संवाद, व्यावहारिक कौशल, छोटी दूरी की यात्राओं, छोटे भाई-बहनों और मीडिया का संचालन करता है। तीसरे भाव के स्वामी (तृतीयेश) की स्थिति यह दर्शाती है कि आप अपनी ऊर्जा किस दिशा में लगाते हैं, अपनी बात कैसे व्यक्त करते हैं और आपकी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को क्या प्रेरित करता है।

प्रथम भाव में तृतीयेश: स्वयं से प्रेरित कर्मठ व्यक्ति

भविष्यवाणी: दुनिया में अपनी पहचान बनाने के लिए आप अपने साहस और कौशल पर निर्भर रहते हैं। सफलता आपको व्यक्तिगत उद्यम, खेलकूद क्षमता, लेखन या प्रदर्शन कलाओं से मिलती है। आप अपनी व्यक्तिगत पहचान स्थापित करने के लिए सोच-समझकर जोखिम लेने से नहीं डरते।

द्वितीय भाव में तृतीयेश: अभिव्यक्ति से धन कमाने वाला

भविष्यवाणी: आपके प्रयास और प्रतिभा सीधे तौर पर वित्तीय लाभ में बदलते हैं। आप अपनी वाणी, लेखन, शिक्षण, मीडिया या वाणिज्यिक व्यापार के माध्यम से धन कमाते हैं। आपके भाई-बहन या करीबी सहयोगी भी पारिवारिक संपत्ति के निर्माण में सहायता करने में भूमिका निभा सकते हैं।

तृतीय भाव में तृतीयेश: निर्भीक संचारक

भविष्यवाणी: अपने ही भाव (स्वक्षेत्र) में स्थित होकर तृतीयेश असाधारण दृढ़ संकल्प, मजबूत संचार कौशल और रचनात्मक हस्तकला कौशल प्रदान करता है। आप लेखन, पत्रकारिता, खेल, प्रदर्शन कला या डिजिटल मीडिया में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं। भाई-बहनों के साथ आपके संबंध मजबूत और सहयोगी बने रहते हैं।

चतुर्थ भाव में तृतीयेश: घरेलू नवाचारक

भविष्यवाणी: आप अपनी ऊर्जा संपत्ति, वाहनों और घरेलू शांति को सुरक्षित करने की ओर लगाते हैं। आप घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) कर सकते हैं, रियल एस्टेट/इंटीरियर डिजाइनिंग से जुड़ सकते हैं या अपने रहने के माहौल को बेहतर बनाने के लिए अपने तकनीकी/रचनात्मक कौशल का उपयोग कर सकते हैं। आपके घरेलू जीवन में आपके भाई-बहनों की मजबूत उपस्थिति हो सकती है।

पंचम भाव में तृतीयेश: रचनात्मक प्रतिभाशाली और रणनीतिकार

भविष्यवाणी: आपके प्रयास बौद्धिक, कलात्मक या सट्टा (speculative) प्रयासों में केंद्रित होते हैं। यह लेखकों, पटकथा लेखकों, अभिनेताओं, व्यापारियों या शिक्षकों के लिए एक उत्कृष्ट स्थिति है। आपकी संवाद शैली स्वाभाविक रूप से मनमोहक होती है और आप अपनी अनूठी रचनात्मक आवाज को विकसित करने पर बहुत गर्व महसूस करते हैं।

षष्ठ भाव में तृतीयेश: प्रतिस्पर्धी रक्षक

भविष्यवाणी: चूंकि तीसरा और छठा भाव दोनों ही उपचय भाव (वृद्धि के भाव) हैं, इसलिए उम्र के साथ आपकी प्रतिस्पर्धी भावना और भी मजबूत होती जाती है। आप वाद-विवाद, कानूनी कार्रवाई, खेल, चिकित्सा या तकनीकी समस्याओं के निवारण (ट्रबलशूटिंग) जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं। आप कड़ी मेहनत के बल पर बाधाओं को अवसरों में बदल देते हैं।

सप्तम भाव में तृतीयेश: सामाजिक संपर्ककर्ता और व्यापार भागीदार

भविष्यवाणी: आपका संचार कौशल आमने-सामने के संबंधों, कूटनीति और बिक्री में सबसे अधिक चमकता है। आप जीवनसाथी, भाई-बहन या किसी करीबी साथी के साथ व्यापार शुरू कर सकते हैं। व्यापार या वाणिज्य के लिए बार-बार की जाने वाली छोटी यात्राएं आपके जीवन का एक सामान्य हिस्सा होती हैं।

अष्टम भाव में तृतीयेश: गहन शोधकर्ता और अन्वेषक

भविष्यवाणी: आपकी मानसिक ऊर्जा छिपे हुए सत्यों, शोध, मनोविज्ञान या गोपनीय सूचनाओं की ओर आकर्षित होती है। आप वर्जित (taboo) विषयों पर लिख सकते हैं, जटिल विषयों की जांच-पड़ताल कर सकते हैं या डेटा साइंस/गूढ़ (occult) क्षेत्रों में काम कर सकते हैं। भाई-बहनों के साथ संचार में समय-समय पर उतार-चढ़ाव या बड़े बदलाव आ सकते हैं।

नवम भाव में तृतीयेश: प्रकाशक और दार्शनिक

भविष्यवाणी: आपके संवाद के प्रयास उच्च ज्ञान, दर्शन, प्रकाशन या शिक्षण के साथ जुड़े होते हैं। आप ज्ञान साझा करने, दूसरों का मार्गदर्शन करने या आध्यात्मिक/नैतिक विचारों के प्रसार के लिए अपनी लेखन या वाक क्षमताओं का उपयोग करते हैं। सीखने या सिखाने के उद्देश्य से आप अक्सर छोटी और लंबी यात्राएं करते हैं।

दशम भाव में तृतीयेश: कर्मठ पेशेवर

भविष्यवाणी: आपके दैनिक प्रयास, कौशल और संवाद शैली आपकी पेशेवर प्रतिष्ठा को सीधे तौर पर ऊंचा उठाते हैं। आप मार्केटिंग, कॉर्पोरेट संचार, पत्रकारिता, सरकारी मामलों या कार्यकारी प्रबंधन में खूब फलते-फूलते हैं। आपके करियर में अक्सर यात्राएं, सक्रिय नेतृत्व और निरंतर नेटवर्किंग की आवश्यकता होती है।

एकादश भाव में तृतीयेश: कुशल नेटवर्क निर्माता और महत्वाकांक्षी अर्जक

भविष्यवाणी: प्रयासों को वास्तविक लाभों में बदलने के लिए यह एक अत्यंत शक्तिशाली योग है (उपचय संबंध)। आपका कौशल, सोशल मीडिया उपस्थिति या सामूहिक संवाद आय के कई अवसर उत्पन्न करते हैं। आप परिचितों और मित्रों को आसानी से मूल्यवान पेशेवर सहयोगियों में बदल लेते हैं।

द्वादश भाव में तृतीयेश: पर्दे के पीछे का रचनाकार

भविष्यवाणी: आपकी आत्म-अभिव्यक्ति शांत या एकांत परिवेश में सबसे अच्छी तरह विकसित होती है। आप एकांत में बैठकर लिख

सकते हैं, रचना कर सकते हैं या डिजाइनिंग कर सकते हैं, अथवा विदेशी ग्राहकों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ काम कर सकते हैं। यात्रा या रचनात्मक परियोजनाओं पर खर्च की गई ऊर्जा केवल भौतिक हलचल के बजाय गहरा आध्यात्मिक या भावनात्मक संतोष प्रदान करती है।

---

https://astroarpitanath.com/hindi/3rd-house-lord-in-12-houses/

ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।